गाड़ियों का देर से पहुंचना

११०५. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी:** क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले छै महीनों में मुगलसराय से लखनऊ होती हुई कानपुर जाने वाली आई० एम० एल० सी० सवारी गाड़ी कितनी बार लखनऊ व कितनी बार कानपुर देर से पहुंची; और

(ख) इस अवसर पर होने वाली देरी का कारण क्या है ?

रेलवे मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) पिछले ६ महीनों में, अर्थात् फरवरी से जुलाई, १९६२ तक नं० १ एम० एल० सी० सवारी गाड़ी लखनऊ में ६१ बार और कानपुर में १११ बार देर से पहुंची ।

(ख) इस गाड़ी के देर से चलने के मुख्यत: दो कारण हैं, खतरे की जंजीर का खींचा जाना और दूसरी गाड़ियों के देर से चलने के कारण निर्धारित स्थान पर गाड़ियों का क्रासिंग न होना ।

गाड़ियों का देर से चलना

११०६. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे की बालामऊ-कानपुर के बीच चलने वाली गाड़ी पिछले छै महीने में कितनी बार कानपुर और बालामऊ से निर्धारित समय से देरी से चली तथा देरी से पहुंची ; और

(ख) इसके क्या कारण थे ?

रेलवे मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) पिछले ६ महीनों में अर्थात् फरवरी से जुलाई, १९६२ तक बालामऊ और कानपुर के बीच चलने वाली नं० १ बी०सी०, २ बी० सी०, ३ बी० सी० और ४ बी० सी० सवारी गाड़ियां जितनी बार बालामऊ और कानपुर स्टेशनों से देर से चलीं और देर से पहुंचीं उसका ब्यौरा इस प्रकार है :

	जितनी बार देर से चली बालामऊ से	जितनी बार देर से पहुंची कानपुर में
१. बी० सी .	११	६०
३ बी० सी० .	५१	४८
	कानपुर से	**बालामऊ में**
२. बी० सी०	५३	४३
४. बी० सी०	५६	६१

(ख) १ बी० सी० सवारी गाड़ी बालामऊ से आम तौर पर ठीक समय पर छूटती रही । यह गाड़ी बहुत कम बार देर से रवाना हुई । नं० ३ बी० सी० सवारी गाड़ी बालामऊ से देर से छूटती रही । जब ३७६ डाउन दिल्ली-इलाहाबाद सवारी गाड़ी देर से आती थी, तो अधिकतर उसका मेल लेने के लिये नं० ३ बी० सी० सवारी गाड़ी देर से छूटती रही । नं० २ बी० सी० और ४ बी० सी० सवारी गाड़ियां ठीक समय पर छूटें, इसके लिये कार्रवाई की जा रही है ।

टीकमगढ़ में गन्ने का उत्पादन

११०७. **श्री मात** : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) टीकमगढ़ (म० प्र०) में गन्ने की वार्षिक कितनी पैदावार है ;

(ख) क्या यह सच है कि वहां पर चीनी बनाने का कोई मिल नहीं है ;

(ग) क्या सरकार वहां गन्ने की पैदावार को देखते हुए चीनी मिल खोलने का विचार कर रही है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) १९६०-६१ में लगभग ४२,००० टन ।

(ख) जी हां ।